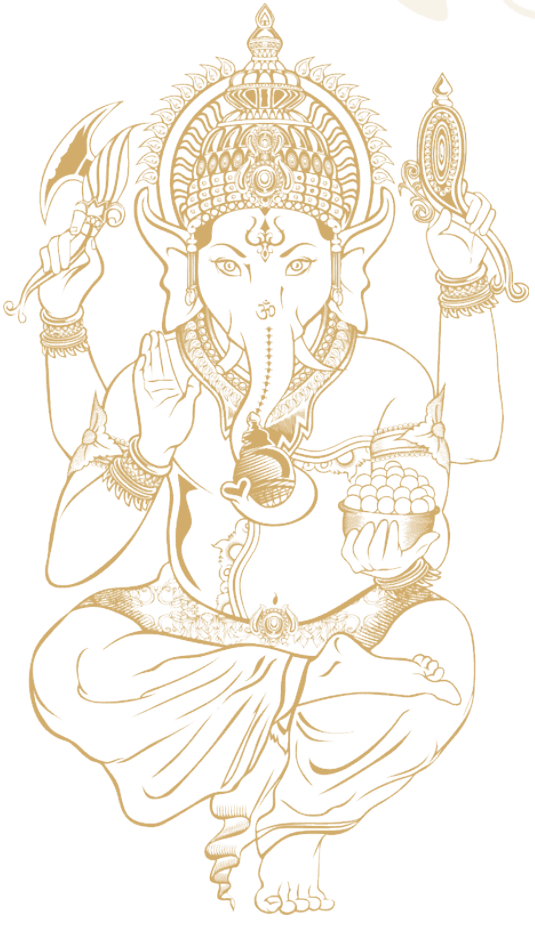

PARESHKUMAR THAKKAR

12 Jun 1967

08:45 PM

Kodinar

Model: Web-VarshDetails

Order No: 121778301

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
12/06/1967	जन्म तिथि	**12/06/2026**
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 20:45:00	जन्म समय	23:44:51 घंटे
घटी 36:37:53	जन्म समय(घटी)	44:07:19 घटी
India	देश	India
Kodinar	स्थान	Kodinar
उत्तर 20:47:00	अक्षांश	20:47:00 उत्तर
पूर्व 70:42:00	रेखांश	70:42:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:47:12	स्थानिक संस्कार	-00:47:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:50	सूर्योदय	06:05:55
19:27:59	सूर्यास्त	19:28:11
23:23:59	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:42

धनु	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कर्क	राशि	मेष
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
आश्लेषा	नक्षत्र	भरणी
बुध	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	4
व्याघात	योग	सुकर्मा
बव	करण	गर
डू-डूंगरमल	जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	गज
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मृग
59	गत/तत्कालिक वर्ष	60

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पूर्वाषाढ़ा	1	16:09:03	धनु		
मृगशिरा	2	27:33:55	वृष		
आश्लेषा	2	21:08:24	कर्क		
चित्रा	1	23:23:19	कन्या		
पुनर्वसु	1	21:47:19	मिथु		
पुष्य	3	10:09:00	कर्क		
पुष्य	3	12:41:35	कर्क		
रेवती	1	17:34:24	मीन		
अश्विनी	4	12:31:52	मेष	व	
स्वाति	2	12:31:52	तुला	व	
उ०फाल्गुनी	1	26:58:32	सिंह		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कुंभ	04:32:26	4	धनिष्ठा
सूर्य			वृष	27:33:55	2	मृगशिरा
चंद्र			मेष	23:57:47	4	भरणी
मंगल			मेष	24:11:03	4	भरणी
बुध			मिथु	21:46:37	1	पुनर्वसु
गुरु			कर्क	02:08:04	4	पुनर्वसु
शुक्र			कर्क	04:58:08	1	पुष्य
शनि			मीन	18:55:29	1	रेवती
राहु	व		कुंभ	08:25:26	1	शतभिषा
केतु	व		सिंह	08:25:26	3	मघा
मु			वृश्चि	16:09:03	4	अनुराधा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:42

लग्न-चलित

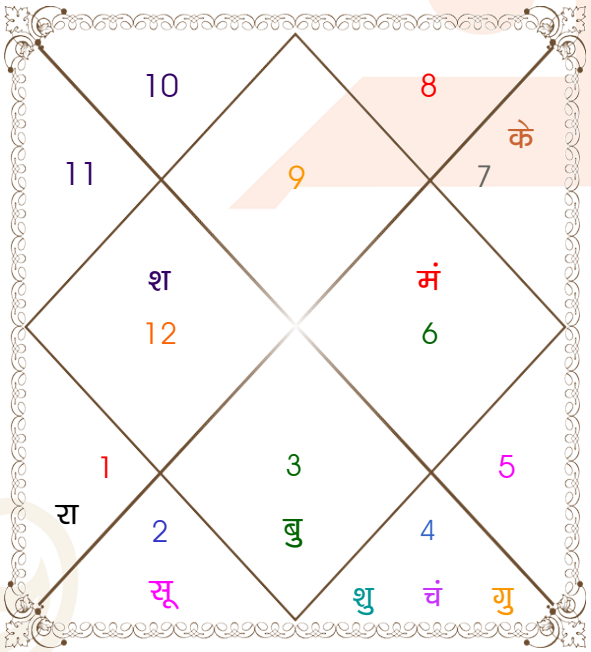

वर्ष लग्न कुंडली

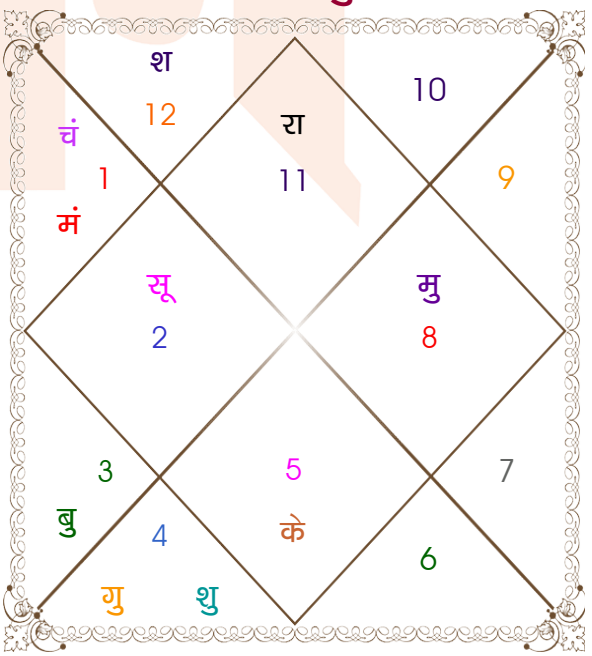

चन्द्र कुंडली

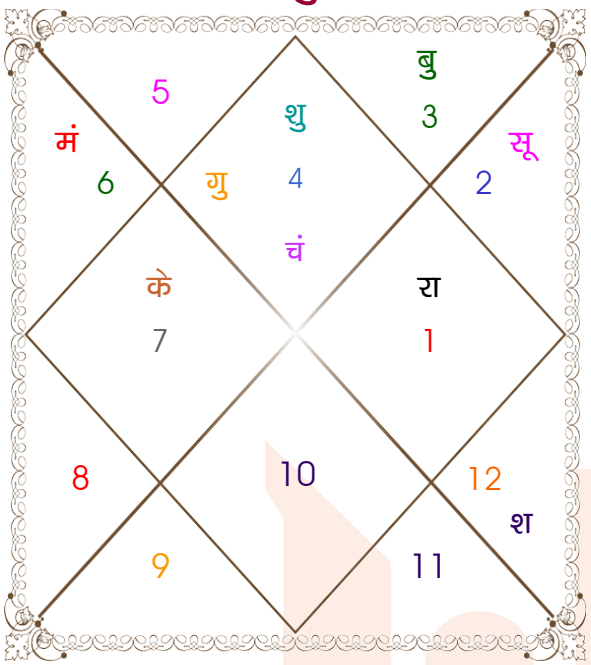

वर्ष चन्द्र कुंडली

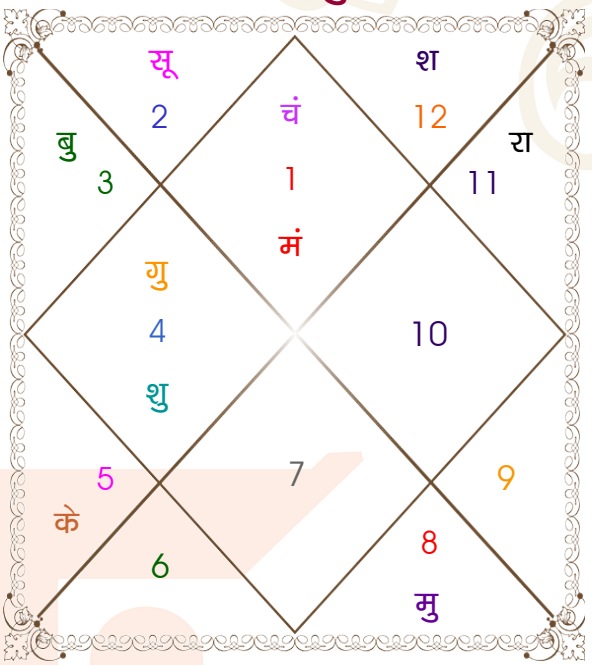

नवमांश कुंडली

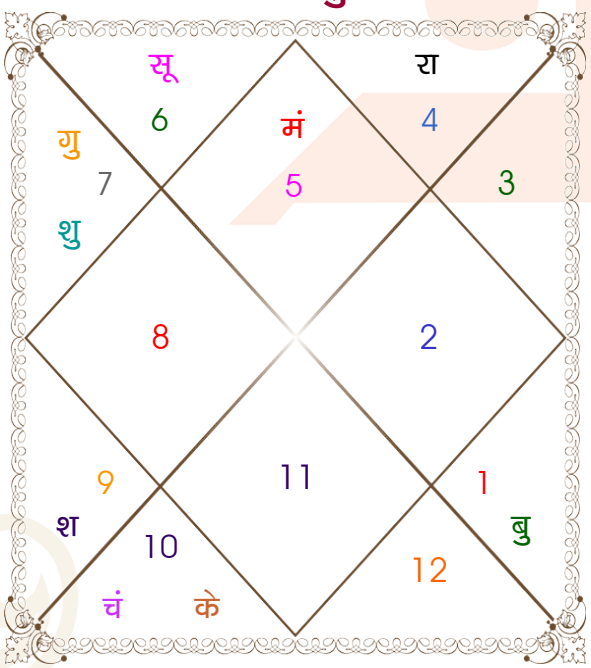

वर्ष नवमांश कुंडली

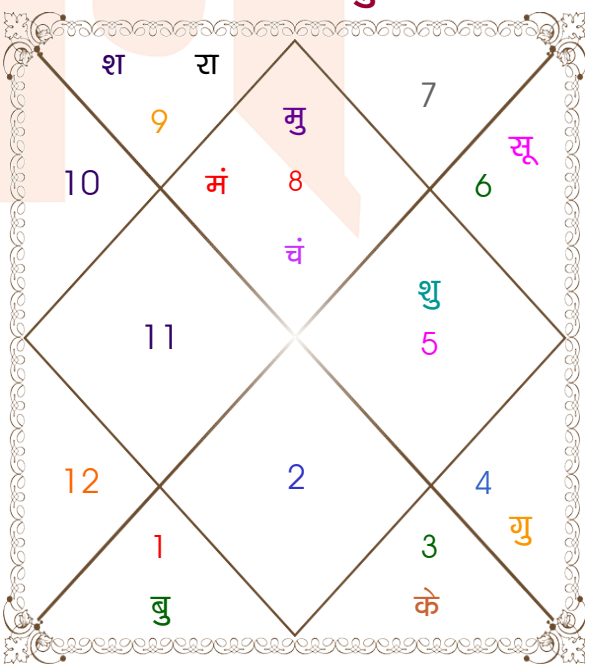

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र
चन्द्र	सम	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	सम	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	सम	मित्र	मित्र	---	सम	सम	शत्रु
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	---	मित्र
शनि	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कुंभ	वृष	मेष	मेष	मिथु	कर्क	कर्क	मीन
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह
द्रेष्काण	तुला	मक	तुला	तुला	सिंह	वृष	वृष	मीन
चतुर्थांश	कुंभ	कुंभ	मक	मक	धनु	कर्क	कर्क	कन्या
पंचमांश	मेष	वृश्चि	मिथु	तुला	मिथु	वृष	वृष	मक
षष्ठांश	मेष	मीन	सिंह	सिंह	सिंह	तुला	तुला	मक
सप्तमांश	मीन	वृष	कन्या	कन्या	वृश्चि	मक	कुंभ	मक
अष्टमांश	कन्या	मीन	तुला	तुला	तुला	मेष	वृष	तुला
नवमांश	वृश्चि	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	मेष	कर्क	सिंह	धनु
दशमांश	मीन	तुला	वृश्चि	धनु	मक	मीन	मेष	वृष
एकादशांश	कुंभ	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि	धनु	मिथु	कर्क	सिंह
द्वादशांश	मीन	मेष	मक	मक	कुंभ	कर्क	सिंह	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र
होरा	स्व	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	स्व	मित्र
चतुर्थांश	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	सम	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व	स्व
षष्ठांश	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	स्व	स्व
सप्तमांश	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	स्व
अष्टमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	स्व	मित्र
नवमांश	सम	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
दशमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र
एकादशांश	मित्र	शत्रु	स्व	सम	सम	शत्रु	मित्र
द्वादशांश	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
शुभ	9	3	4	5	2	7	11
सम	3	3	3	5	1	0	0
अशुभ	0	6	5	2	9	5	1
कुल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	5	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	5	5	0	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	15	5	10	10	5	10
बल	क्षीण	बली	क्षीण	सामान्य	सामान्य	क्षीण	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	7.50	30.00	30.00	7.50	7.50	22.50
उच्च बल	14.71	19.00	10.42	10.75	19.68	9.11	3.45
हददा बल	7.50	3.75	15.00	11.25	3.75	3.75	3.75
द्रेष्काण	7.50	2.50	2.50	5.00	2.50	10.00	7.50
नवमांश	2.50	1.25	5.00	3.75	1.25	3.75	3.75
कुल	54.71	34.00	62.92	60.75	34.68	34.11	40.95
विंशोपक	13.68	8.50	15.73	15.19	8.67	8.53	10.24
बल	शुभ	सामान्य	बली	बली	सामान्य	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	8.67	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	शनि	10.24	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	15.73	शुभ	मंगल
दिवापति	मंगल	15.73	शुभ	
त्रिराशिपति	गुरु	8.67	दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	मेष	08:08:34	मंगल	27/06/2027
गुरु	मकर	00:56:17	शनि	15/01/2027
ज्ञान	मकर	00:56:17	शनि	15/01/2027
यश	वृश्चिक	10:32:56	मंगल	05/12/2026
मित्र	वृश्चिक	12:10:26	मंगल	06/12/2026
माहात्म्य	मीन	20:34:54	गुरु	22/02/2027
आशा	मिथुन	20:35:05	बुध	03/07/2027
समर्थ	धनु	29:16:51	गुरु	04/11/2026
भातृ	मिथुन	17:45:01	बुध	30/06/2027
गौरव	मीन	19:23:38	गुरु	21/02/2027
राजा	वृष	13:10:52	शुक्र	22/05/2027
पितृ	वृष	13:10:52	शुक्र	22/05/2027
मातृ	वृष	15:32:47	शुक्र	24/05/2027
सुत	वृष	12:42:43	शुक्र	21/05/2027
जीव	तुला	21:19:50	शुक्र	30/09/2026
अम्बु	वृष	15:32:47	शुक्र	24/05/2027
कर्म	वृष	02:08:00	शुक्र	09/05/2027
रोग	मेष	23:57:47	मंगल	14/07/2027
कामदेव	धनु	29:30:08	गुरु	04/11/2026
कलि	वृश्चिक	26:35:25	मंगल	19/12/2026
क्षेम	वृश्चिक	26:35:25	मंगल	19/12/2026
शास्त्र	मेष	08:34:02	मंगल	27/06/2027
बन्धु	वृष	02:21:16	शुक्र	10/05/2027
बंधक	वृष	02:21:16	शुक्र	10/05/2027
मृत्यु	कन्या	02:20:55	बुध	29/08/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	मिथुन	09:48:18	बुध	22/06/2027
अर्थ	तुला	09:47:35	शुक्र	18/09/2026
परदारा	मेष	11:56:39	मंगल	01/07/2027
अन्यकर्म	मेष	09:34:44	मंगल	28/06/2027
वणिक	धनु	06:43:35	गुरु	16/10/2026
कार्यसिद्धि	मेष	26:19:42	मंगल	13/06/2026
विवाह	मिथुन	20:35:05	बुध	03/07/2027
प्रसूति	मीन	14:53:52	गुरु	17/02/2027
संताप	मिथुन	02:20:55	बुध	14/06/2027
श्रद्धा	वृष	15:19:31	शुक्र	24/05/2027
प्रीति	वृश्चिक	27:20:08	मंगल	20/12/2026
बल	वृश्चिक	10:32:56	मंगल	05/12/2026
देह	वृश्चिक	10:32:56	मंगल	05/12/2026
जाडय	सिंह	27:02:11	सूर्य	17/09/2026
व्यापार	धनु	06:56:51	गुरु	16/10/2026
जलपतन	सिंह	27:02:11	सूर्य	17/09/2026
शत्रु	मेष	09:48:00	मंगल	29/06/2027
शौर्य	मकर	18:29:57	शनि	28/01/2027
उपाय	तुला	21:19:50	शुक्र	30/09/2026
दरिद्रता	मेष	08:08:34	मंगल	27/06/2027
गुरुता	धनु	16:58:30	गुरु	25/10/2026
जलपथ	कर्क	00:36:57	चन्द्र	21/08/2026
बंधन	मीन	23:45:31	गुरु	25/02/2027
कन्या	वृष	15:32:47	शुक्र	24/05/2027
अश्व	तुला	20:48:40	शुक्र	29/09/2026

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

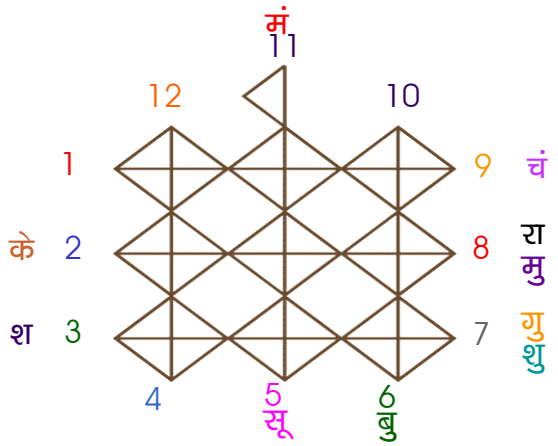

पात्यंश दशा

गुरु		लग्न		शुक्र		शनि		बुध	
12/06/2026		11/07/2026		12/08/2026		17/08/2026		18/02/2027	
11/07/2026		12/08/2026		17/08/2026		18/02/2027		28/03/2027	
गुरु	15/06/2026	लग्न	14/07/2026	शुक्र	12/08/2026	शनि	19/11/2026	बुध	22/02/2027
लग्न	17/06/2026	शुक्र	14/07/2026	शनि	15/08/2026	बुध	08/12/2026	चंद्र	25/02/2027
शुक्र	18/06/2026	शनि	30/07/2026	बुध	15/08/2026	चंद्र	23/12/2026	मंगल	25/02/2027
शनि	02/07/2026	बुध	02/08/2026	चंद्र	16/08/2026	मंगल	24/12/2026	सूर्य	02/03/2027
बुध	05/07/2026	चंद्र	05/08/2026	मंगल	16/08/2026	सूर्य	16/01/2027	गुरु	05/03/2027
चंद्र	07/07/2026	मंगल	05/08/2026	सूर्य	16/08/2026	गुरु	30/01/2027	लग्न	08/03/2027
मंगल	07/07/2026	सूर्य	09/08/2026	गुरु	17/08/2026	लग्न	15/02/2027	शुक्र	09/03/2027
सूर्य	11/07/2026	गुरु	12/08/2026	लग्न	17/08/2026	शुक्र	18/02/2027	शनि	28/03/2027

चंद्र		मंगल		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
28/03/2027		26/04/2027		29/04/2027		29/04/2027		29/04/2027	
26/04/2027		29/04/2027		13/06/2027		13/06/2027		13/06/2027	
चंद्र	30/03/2027	मंगल	26/04/2027	सूर्य	04/05/2027	सूर्य	04/05/2027	सूर्य	04/05/2027
मंगल	31/03/2027	सूर्य	26/04/2027	गुरु	08/05/2027	गुरु	08/05/2027	गुरु	08/05/2027
सूर्य	03/04/2027	गुरु	27/04/2027	लग्न	12/05/2027	लग्न	12/05/2027	लग्न	12/05/2027
गुरु	05/04/2027	लग्न	27/04/2027	शुक्र	13/05/2027	शुक्र	13/05/2027	शुक्र	13/05/2027
लग्न	08/04/2027	शुक्र	27/04/2027	शनि	04/06/2027	शनि	04/06/2027	शनि	04/06/2027
शुक्र	08/04/2027	शनि	28/04/2027	बुध	09/06/2027	बुध	09/06/2027	बुध	09/06/2027
शनि	23/04/2027	बुध	29/04/2027	चंद्र	12/06/2027	चंद्र	12/06/2027	चंद्र	12/06/2027
बुध	26/04/2027	चंद्र	29/04/2027	मंगल	13/06/2027	मंगल	13/06/2027	मंगल	13/06/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
12/06/2026		**04/07/2026**		**28/08/2026**		**15/10/2026**		**12/12/2026**	
04/07/2026		**28/08/2026**		**15/10/2026**		**12/12/2026**		**02/02/2027**	
मंगल	14/06/2026	राहु	12/07/2026	गुरु	03/09/2026	शनि	24/10/2026	बुध	19/12/2026
राहु	17/06/2026	गुरु	19/07/2026	शनि	11/09/2026	बुध	02/11/2026	केतु	22/12/2026
गुरु	20/06/2026	शनि	28/07/2026	बुध	18/09/2026	केतु	05/11/2026	शुक्र	31/12/2026
शनि	23/06/2026	बुध	05/08/2026	केतु	21/09/2026	शुक्र	15/11/2026	सूर्य	03/01/2027
बुध	26/06/2026	केतु	08/08/2026	शुक्र	29/09/2026	सूर्य	18/11/2026	चंद्र	07/01/2027
केतु	27/06/2026	शुक्र	17/08/2026	सूर्य	01/10/2026	चंद्र	22/11/2026	मंगल	10/01/2027
शुक्र	01/07/2026	सूर्य	20/08/2026	चंद्र	05/10/2026	मंगल	26/11/2026	राहु	18/01/2027
सूर्य	02/07/2026	चंद्र	24/08/2026	मंगल	08/10/2026	राहु	04/12/2026	गुरु	25/01/2027
चंद्र	04/07/2026	मंगल	28/08/2026	राहु	15/10/2026	गुरु	12/12/2026	शनि	02/02/2027

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		चंद्र	
02/02/2027		**23/02/2027**		**25/04/2027**		**13/05/2027**		**13/05/2027**	
23/02/2027		**25/04/2027**		**13/05/2027**		**13/06/2027**		**13/06/2027**	
केतु	03/02/2027	शुक्र	05/03/2027	सूर्य	26/04/2027	चंद्र	16/05/2027	चंद्र	16/05/2027
शुक्र	07/02/2027	सूर्य	08/03/2027	चंद्र	27/04/2027	मंगल	18/05/2027	मंगल	18/05/2027
सूर्य	08/02/2027	चंद्र	13/03/2027	मंगल	29/04/2027	राहु	22/05/2027	राहु	22/05/2027
चंद्र	09/02/2027	मंगल	17/03/2027	राहु	01/05/2027	गुरु	26/05/2027	गुरु	26/05/2027
मंगल	11/02/2027	राहु	26/03/2027	गुरु	04/05/2027	शनि	31/05/2027	शनि	31/05/2027
राहु	14/02/2027	गुरु	03/04/2027	शनि	07/05/2027	बुध	04/06/2027	बुध	04/06/2027
गुरु	17/02/2027	शनि	13/04/2027	बुध	09/05/2027	केतु	06/06/2027	केतु	06/06/2027
शनि	20/02/2027	बुध	21/04/2027	केतु	10/05/2027	शुक्र	11/06/2027	शुक्र	11/06/2027
बुध	23/02/2027	केतु	25/04/2027	शुक्र	13/05/2027	सूर्य	13/06/2027	सूर्य	13/06/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - केतु - केतु		मंगल - केतु - शुक्र		मंगल - केतु - सूर्य		मंगल - केतु - चंद्र	
27/03/2026 04:47		04/04/2026 21:35		29/04/2026 18:10		07/05/2026 05:08	
04/04/2026 21:35		29/04/2026 18:10		07/05/2026 05:08		19/05/2026 15:26	
केतु	27/03/2026 16:58	शुक्र	09/04/2026 01:01	सूर्य	30/04/2026 03:07	चंद्र	08/05/2026 06:00
शुक्र	29/03/2026 03:46	सूर्य	10/04/2026 06:51	चंद्र	30/04/2026 18:02	मंगल	08/05/2026 23:24
सूर्य	29/03/2026 14:13	चंद्र	12/04/2026 08:34	मंगल	01/05/2026 04:28	राहु	10/05/2026 20:08
चंद्र	30/03/2026 07:37	मंगल	13/04/2026 19:22	राहु	02/05/2026 07:19	गुरु	12/05/2026 11:55
मंगल	30/03/2026 19:47	राहु	17/04/2026 12:51	गुरु	03/05/2026 07:11	शनि	14/05/2026 11:08
राहु	01/04/2026 03:07	गुरु	20/04/2026 20:24	शनि	04/05/2026 11:31	बुध	16/05/2026 05:24
गुरु	02/04/2026 06:57	शनि	24/04/2026 18:51	बुध	05/05/2026 12:52	केतु	16/05/2026 22:48
शनि	03/04/2026 16:01	बुध	28/04/2026 07:22	केतु	05/05/2026 23:19	शुक्र	19/05/2026 00:31
बुध	04/04/2026 21:35	केतु	29/04/2026 18:10	शुक्र	07/05/2026 05:08	सूर्य	19/05/2026 15:26

मंगल - केतु - मंगल		मंगल - केतु - राहु		मंगल - केतु - गुरु		मंगल - केतु - शनि	
19/05/2026 15:26		28/05/2026 08:14		19/06/2026 17:09		09/07/2026 14:24	
28/05/2026 08:14		19/06/2026 17:09		09/07/2026 14:24		02/08/2026 05:09	
मंगल	20/05/2026 03:36	राहु	31/05/2026 16:46	गुरु	22/06/2026 08:47	शनि	13/07/2026 08:08
राहु	21/05/2026 10:56	गुरु	03/06/2026 16:21	शनि	25/06/2026 12:21	बुध	16/07/2026 16:26
गुरु	22/05/2026 14:46	शनि	07/06/2026 05:22	बुध	28/06/2026 07:57	केतु	18/07/2026 01:29
शनि	23/05/2026 23:50	बुध	10/06/2026 09:26	केतु	29/06/2026 11:48	शुक्र	21/07/2026 23:57
बुध	25/05/2026 05:24	केतु	11/06/2026 16:45	शुक्र	02/07/2026 19:20	सूर्य	23/07/2026 04:17
केतु	25/05/2026 17:35	शुक्र	15/06/2026 10:14	सूर्य	03/07/2026 19:12	चंद्र	25/07/2026 03:31
शुक्र	27/05/2026 04:23	सूर्य	16/06/2026 13:05	चंद्र	05/07/2026 10:59	मंगल	26/07/2026 12:34
सूर्य	27/05/2026 14:50	चंद्र	18/06/2026 09:49	मंगल	06/07/2026 14:49	राहु	30/07/2026 01:35
चंद्र	28/05/2026 08:14	मंगल	19/06/2026 17:09	राहु	09/07/2026 14:24	गुरु	02/08/2026 05:09

मंगल - केतु - बुध		मंगल - शुक्र - शुक्र		मंगल - शुक्र - सूर्य		मंगल - शुक्र - चंद्र	
02/08/2026 05:09		23/08/2026 08:14		02/11/2026 08:44		23/11/2026 16:05	
23/08/2026 08:14		02/11/2026 08:44		23/11/2026 16:05		29/12/2026 04:20	
बुध	05/08/2026 04:59	शुक्र	04/09/2026 04:19	सूर्य	03/11/2026 10:18	चंद्र	26/11/2026 15:07
केतु	06/08/2026 10:34	सूर्य	07/09/2026 17:33	चंद्र	05/11/2026 04:55	मंगल	28/11/2026 16:50
शुक्र	09/08/2026 23:05	चंद्र	13/09/2026 15:35	मंगल	06/11/2026 10:45	राहु	04/12/2026 00:40
सूर्य	11/08/2026 00:26	मंगल	17/09/2026 19:01	राहु	09/11/2026 15:27	गुरु	08/12/2026 18:18
चंद्र	12/08/2026 18:42	राहु	28/09/2026 10:42	गुरु	12/11/2026 11:38	शनि	14/12/2026 09:14
मंगल	14/08/2026 00:17	गुरु	07/10/2026 21:58	शनि	15/11/2026 20:36	बुध	19/12/2026 09:58
राहु	17/08/2026 04:20	शनि	19/10/2026 03:50	बुध	18/11/2026 21:02	केतु	21/12/2026 11:41
गुरु	19/08/2026 23:57	बुध	29/10/2026 05:19	केतु	20/11/2026 02:52	शुक्र	27/12/2026 09:44
शनि	23/08/2026 08:14	केतु	02/11/2026 08:44	शुक्र	23/11/2026 16:05	सूर्य	29/12/2026 04:20

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह शनि (मीन 18:55:29), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (वृष 27:33:55), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया शुभ नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपका दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा तथा आपस में मतभेद उत्पन्न होंगे जिससे संबंधो में तनाव उत्पन्न होगा। अतः ऐसे समय में यदि सांमजस्य स्थापित करे तो ऐसी समस्याओं में कमी आ सकती है। विवाह योग्य लोगों का इस वर्ष विवाह में गतिरोध या विलम्ब हो सकता है। व्यापार में इस समय साझेदार से परेशानियां उत्पन्न होंगी तथा संबंधो में तनाव भी होगा एवं उससे आपको हानि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके अतिरिक्त राजनीति में सक्रिय लोगों को भी अल्प मात्रा में ही सफलता मिलेगी लेकिन इससे सन्तुष्टि नहीं होगी

अतः बुद्धिमता पूर्वक कार्य कलापों से सम्पन्न करें। इसराफ योग मन्दगति ग्रह शनि (मीन 18:55:29), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (मिथु 21:46:37), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके इस समय संतति पक्ष से आपको विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा अपने क्षेत्र में वे वांछित उन्नति नहीं करेंगे। उच्चशिक्षा में अध्ययनरत छात्रों के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम से भी वांछित सफलता कम ही मिलेगी साथ राजनीति में सक्रिय लोगो की भी विशेष उन्नति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त विशिष्ट लाभ मार्ग के भी कम ही योग बनते है। अतः शेयर लाटरी या सट्टे आदि पर पैसा न लगाएं अन्यथा हानि हो सकती है। साथ ही इस वर्ष में पैतृक संपति संबंधी विवाद भी उत्पन्न हो सकता है। अतः ऐसे समय को संयम एवं बुद्धिमतापूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग शनि तथा मंगल के मध्य है क्योंकि बुध शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं पराक्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको समय समय पर वांछित सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। इस समय भाइयों से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा उनके मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी ।साथ ही आप उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपको सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे । इस समय आप नवीन कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी। साथ ही संतति पक्ष से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा अपने अपने क्षेत्र में वे सफलता अर्जित करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग तथा राजनैतिक व्यक्तियों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा इनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त होगा। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर होंगे तथा व्यापारिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे । साथ ही किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारम्भ कर सकते है । आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्योदय कारक रहेगा तथा प्रसन्नतापूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा अपने समस्त सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे एवं इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । मन से भी आप शान्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही नवीन आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा व्यापार में इच्छित सफलता एवं धनार्जन प्राप्त होगा। साथ ही व्यापार में वृद्धि या किसी नवीन कार्य की योजना भी बन सकती है। नौकरी या राजनीति में उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे । इस समय अतिरिक्त धनार्जन भी होगा एवं सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करके उनका उपभोग करेंगें। अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे।

प्रथम मास
12/06/2026 23:44:51 से 14/07/2026 10:25:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	04:32:26
सूर्य		वृष	मृगशिरा	27:33:55
चन्द्र		मेष	भरणी	23:57:47
मंगल		मेष	भरणी	24:11:03
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	21:46:37
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	02:08:04
शुक्र		कर्क	पुष्य	04:58:08
शनि		मीन	रेवती	18:55:29
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:25:26
केतु	व	सिंह	मघा	08:25:26
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	16:09:03

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

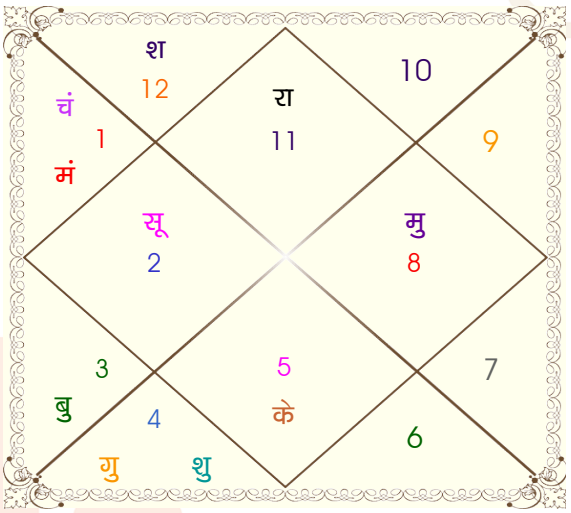

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी आपसे पूर्णरूपेण प्रसन्न रहेंगे। अपने मित्रों एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ कार्य भी सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही कई प्रकार से धन लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्थान या नवीन आवास आदि की भी प्राप्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही सर्व प्रकार से शुभ फल होंगे एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिस्त पिछले महीने की असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे।जिससे आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे प्रतिष्ठा में न्यूनता हो सकती है। इस समय अग्नि के द्वारा भी किंचित धन हानि होने की सम्भावना रहेगी।अतः सावधानी पूर्वक समय को व्यतीत करें।

द्वितीय मास
14/07/2026 10:25:13 से 14/08/2026 19:10:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:14:03
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	27:33:55
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	24:44:56
मंगल		वृष	रोहिणी	16:37:35
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:44:34
गुरु		कर्क	पुष्य	08:47:57
शुक्र		सिंह	मघा	10:44:13
शनि		मीन	रेवती	20:23:03
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:05:02
केतु	व	सिंह	मघा	06:05:02
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:39:03

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

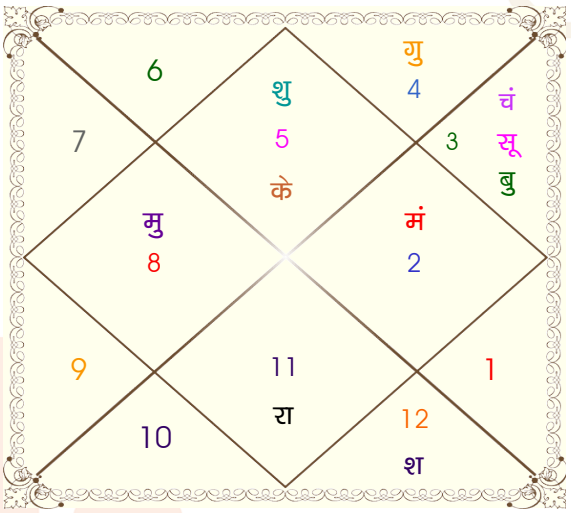

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास
14/08/2026 19:10:57 से 14/09/2026 19:56:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	26:39:59
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	27:33:55
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:46:44
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	07:53:36
बुध		कर्क	पुष्य	14:13:07
गुरु		कर्क	पुष्य	15:43:18
शुक्र		कन्या	हस्त	13:26:27
शनि	व	मीन	रेवती	20:13:18
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:27
केतु		सिंह	मघा	05:33:27
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:09:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

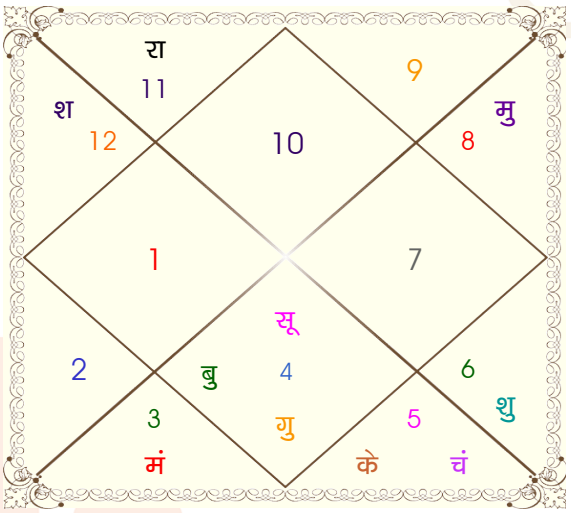

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
14/09/2026 19:56:09 से 15/10/2026 08:55:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	19:48:54
सूर्य		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:33:55
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:51:05
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	27:38:50
बुध		कन्या	हस्त	12:15:24
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:15:10
शुक्र		तुला	स्वाति	08:23:24
शनि	व	मीन	रेवती	18:34:48
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:25:25
केतु	व	सिंह	मघा	05:25:25
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:39:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

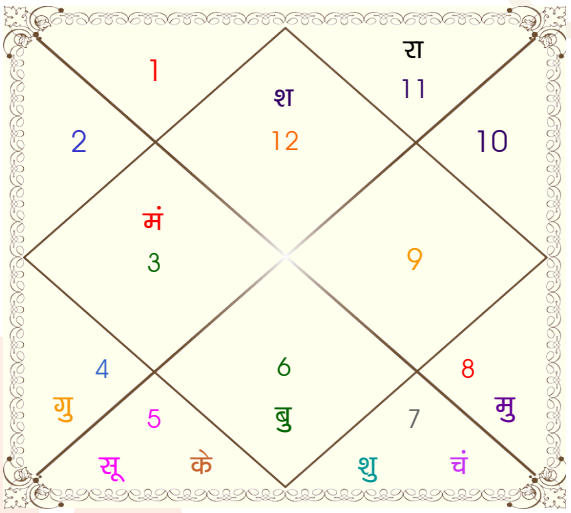

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यकम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

पंचम् मास
15/10/2026 08:55:56 से 14/11/2026 09:42:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:57:23
सूर्य		कन्या	चित्रा	27:33:55
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:06:50
मंगल		कर्क	पुष्य	15:28:57
बुध		तुला	विशाखा	22:21:47
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:44:12
शुक्र	व	तुला	स्वाति	11:31:09
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:14:28
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:59:25
केतु	व	सिंह	मघा	03:59:25
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:09:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

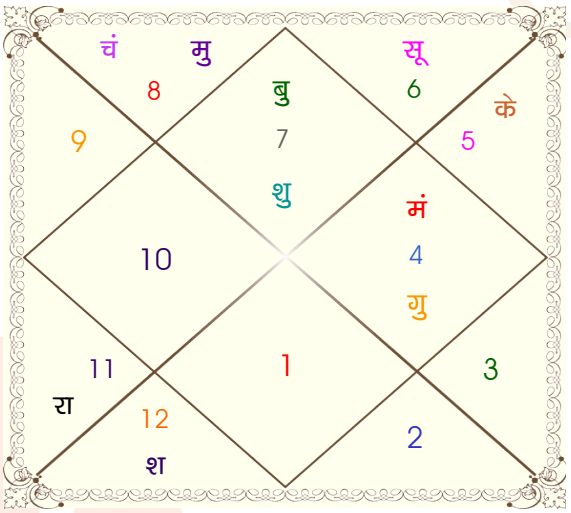

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

14/11/2026 09:42:02 से 14/12/2026 00:58:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	03:30:05
सूर्य		तुला	विशाखा	27:33:55
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:24:25
मंगल		सिंह	मघा	00:42:48
बुध		तुला	स्वाति	10:49:23
गुरु		सिंह	मघा	01:28:34
शुक्र		कन्या	चित्रा	28:37:46
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:19:47
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	01:00:56
केतु	व	सिंह	मघा	01:00:56
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:39:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

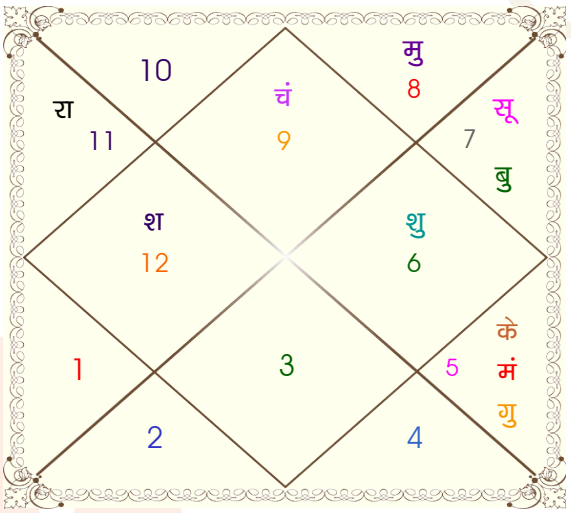

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः इस समय आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। आप का इस मास में व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी। साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अपने ही परिश्रम से सिद्ध हो सकेंगे फिर भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि के योग बनेंगे। मित्रों एवं संबधियों के मध्य आपके संबधों में तनाव रहेगा तथा इनसे आवश्यक सुख तथा सहयोग भी नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। शत्रुओं से भी आपके हृदय में नित्य चिन्ता तथा भय का वातावरण बना रहेगा। साथ ही महत्वपूर्ण कार्यो में भी मनोवांछित सिद्धि नहीं मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप अपने श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के अवसर बनेंगे। इस मास में आपकी यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
14/12/2026 00:58:10 से 12/01/2027 11:49:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:18:30
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:33:55
चन्द्र		मकर	श्रवण	19:15:19
मंगल		सिंह	मघा	11:55:13
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:09:33
गुरु	व	सिंह	मघा	02:47:15
शुक्र		तुला	स्वाति	12:38:28
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:42:08
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:58:52
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:58:52
मुंथा		धनु	मूल	01:09:03

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

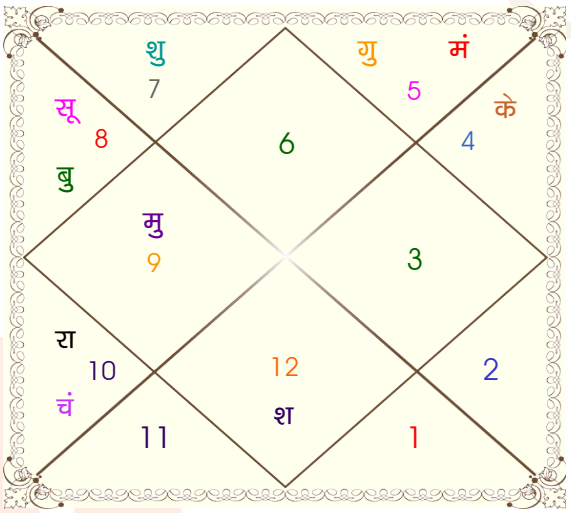

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
12/01/2027 11:49:12 से 11/02/2027 00:23:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	14:54:38
सूर्य		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:33:55
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	15:43:09
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:10:20
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:06:17
गुरु	व	सिंह	मघा	01:20:13
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	10:55:36
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:37:39
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:28:01
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:28:01
मुंथा		धनु	मूल	03:39:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

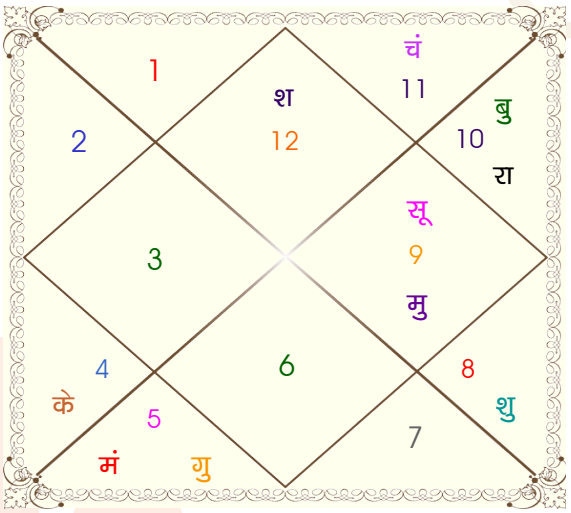

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्ता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज में आपको उचित सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग अर्जित होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे मानसिक रूप से शान्ति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस समय आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों आदि की भी आपको इस समय प्राप्ति हो सकती है।अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

नवम् मास
11/02/2027 00:23:28 से 12/03/2027 20:25:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	16:58:05
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	27:33:55
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	14:15:01
मंगल	व	सिंह	मघा	09:58:28
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	11:38:30
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	27:49:54
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:02:50
शनि		मीन	रेवती	16:55:19
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:17:23
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:17:23
मुंथा		धनु	मूल	06:09:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

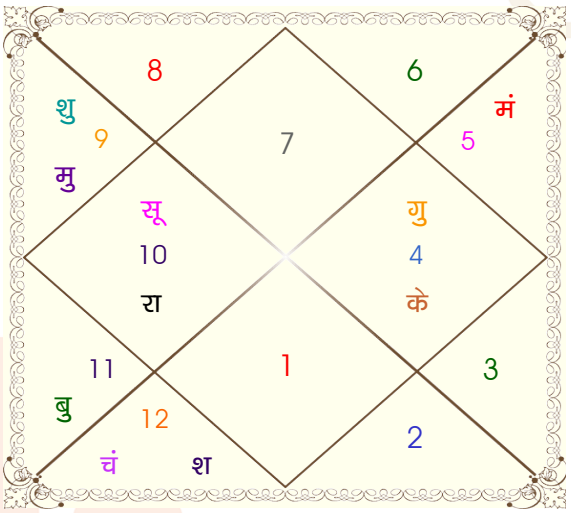

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास
12/03/2027 20:25:40 से 12/04/2027 03:52:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	19:26:44
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:33:55
चन्द्र		मेष	भरणी	18:24:32
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	29:13:41
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	00:28:16
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	24:16:39
शुक्र		मकर	श्रवण	19:17:16
शनि		मीन	रेवती	20:11:21
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:53:14
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:53:14
मुंथा		धनु	मूल	08:39:03

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

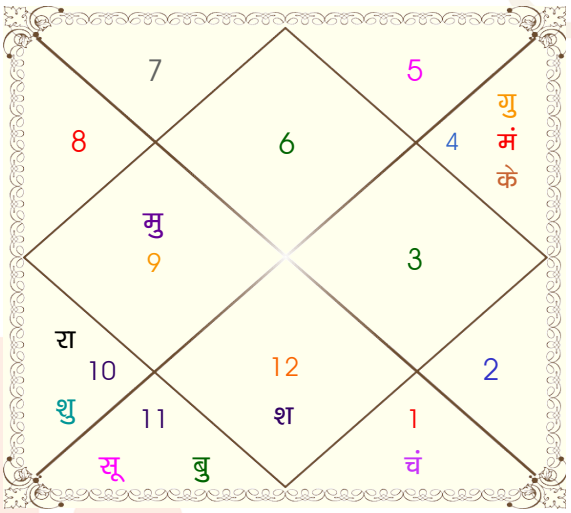

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रूधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास
12/04/2027 03:52:44 से 12/05/2027 23:46:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	05:29:47
सूर्य		मीन	रेवती	27:33:55
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	00:57:57
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:18:53
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	10:50:11
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	22:45:24
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:47:28
शनि		मीन	रेवती	23:57:29
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	24:01:24
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	24:01:24
मुंथा		धनु	मूल	11:09:03

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

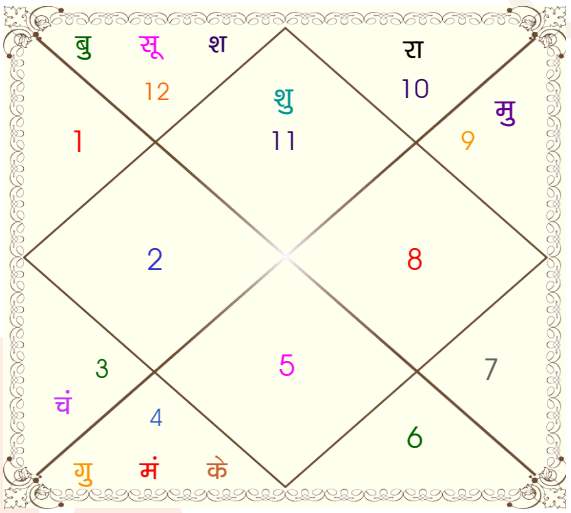

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास
12/05/2027 23:46:31 से 13/06/2027 05:45:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:30:00
सूर्य		मेष	कृतिका	27:33:55
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	21:52:09
मंगल		सिंह	मघा	05:04:48
बुध		वृष	रोहिणी	12:56:07
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:04:20
शुक्र		मेष	अश्विनी	03:11:17
शनि		मीन	रेवती	27:43:12
राहु		मकर	श्रवण	21:09:05
केतु		कर्क	आश्लेषा	21:09:05
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:39:03

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

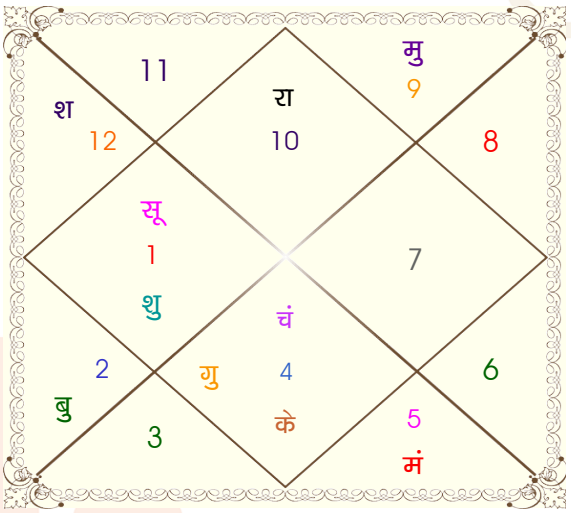

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे।साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा।संबधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।